VSA
A Real English Medium School
Little Steps
Pre Primary wing of VSA

VIDYA SHREE ACADEMY
SR. SEC. SCHOOL
An English Medium Co.Ed. School | Science & Commerce
W : www.vsajaipur.com | E : vsajaipur@gmail.com M. : +91 9460356652, 8058999828
Add. : 84, Krishna Vihar, Behind Narayan Niwas, Gopalpura Bypass, Jaipur - 302015
/vsajaipur | /vsajaipur | /vidyashreeacademy | /vsa_jaipur

Subject – Hindi **Lesson – 13 प्रत्यय** **class – 7th**

उत्तर-पुस्तिका सुगम हिंदी व्याकरण भाग-7

CORDOVA

13. प्रत्यय

लिखित

कौशल-लेखन (व्याकरण, शब्दावली, लिखावट)

1. दिए गए शब्दों में कौन-सा प्रत्यय है? ✓ निशान लगाकर बताइए-

टिकाऊ –	☐ काऊ	☐ टि	☑ आऊ
थकावट –	☐ वट	☑ आवट	☐ थका
मुक्ता –	☐ ता	☑ आ	☐ मु
मरियल –	☐ यल	☐ मरि	☑ इयल
घटिया –	☐ टिया	☑ इया	☐ या

2. कोष्ठक में दिए गए मूल शब्दों में उचित प्रत्यय जोड़कर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

(क) लिखावट (ख) ममेरा (ग) भारतीय (घ) कीमती (ङ) ईमानदारी (च) झाड़ू

3. निम्नलिखित मूल शब्द और प्रत्यय को मिलाकर नए शब्द बनाइए-

	मूल शब्द		प्रत्यय		शब्द		मूल शब्द		प्रत्यय		शब्द
(क)	लग	+	आन	=	लगान	(ख)	हँस	+	ई	=	हँसी
(ग)	लूट	+	ऐरा	=	लुटेरा	(घ)	तैर	+	आक	=	तैराक
(ङ)	सेठ	+	आनी	=	सेठानी	(च)	चमक	+	ईला	=	चमकीला

4. निम्नलिखित प्रत्ययों के योग से दो-दो शब्द बनाइए-

(क) खाऊ, दिखाऊ (ख) घबराहट, गरमाहट (ग) दयालु, कृपालु (घ) शत्रुता, पशुता (ङ) अपनापन, बचपन

5. उपसर्ग, मूलशब्द तथा प्रत्यय अलग-अलग करके लिखिए-

			उपसर्ग		मूलशब्द		प्रत्यय
(क)	अमानवीय	–	अ	+	मानव	+	ईय
(ख)	असफलता	–	अ	+	सफल	+	ता
(ग)	उपनगरीय	–	उप	+	नगर	+	ईय
(घ)	बेईमानी	–	बे	+	ईमान	+	ई
(ङ)	परिभाषित	–	परि	+	भाषा	+	इत
(च)	सहपाठी	–	सह	+	पाठ	+	ई

गतिविधि

रचनात्मक-लेखन (विचार, भाव, लिखावट)

- मान लीजिए आप हिंदी के अध्यापक/अध्यापिका हैं। किसी बच्चे ने मूल शब्दों के साथ गलत उपसर्ग और प्रत्ययों का प्रयोग किया है। बच्चे की कॉपी जाँचिए और उसकी गलतियों को ठीक करके लिखिए-

	सुधार-कार्य
पिता ने अपने नुपात्र बच्चे से कहा, "स्कूल का अपकाश है इसलिए हमपरिवार घूमने चलेंगे।" फिर क्या था! सब बिछओना बाँधने लगे। खुशवाली ही खुशवाली थी। मुन्नी ओढ़न लेकर नाचने लगी। माता जी बोली, "निमजल पानी रख लो। मैंने आजवाब पकवान बना लिए हैं। अब कोई अपदेश मत दो जल्दी चलो।	सुपात्र अवकाश सपरिवार बिछौना खुशहाली ओढ़नी निर्जल लाजवाब उपदेश

o